ज्योतिषीय दूरदर्शन

एक विधा का सृजन और विनाश

ज्योतिषाचार्य
तेजस्कर पाण्डेय

यह भी उल्लेखनीय है कि इस विधा का पूर्णत: अंत नहीं हुआ, बल्कि इसका स्वरूप परिवर्तित हो गया. अब ज्योतिषीय सामग्री दूरदर्शन के अतिरिक्त अन्य माध्यमों, जैसे डिजिटल मंचों, व्यक्तिगत परामर्श सेवाओं और शैक्षिक संस्थानों के माध्यम से प्रस्तुत की जाने लगी. इस परिवर्तन ने यह स्पष्ट किया कि किसी भी विधा का अस्तित्व उसके माध्यम पर निर्भर नहीं होता, बल्कि उसके अंतर्निहित ज्ञान और उसकी सामाजिक उपयोगिता पर निर्भर करता है. इस प्रकार, ज्योतिषीय दूरदर्शन का पतन वास्तव में एक संक्रमण का चरण है, जिसमें एक पुराना माध्यम अपनी सीमाओं के कारण पीछे हटता है और नए माध्यमों के लिए स्थान बनाता है. यह प्रक्रिया किसी भी सांस्कृतिक या ज्ञान-आधारित विधा के विकास का स्वाभाविक अंग है, जहाँ परिवर्तन और अनुकूलन के माध्यम से ही अस्तित्व बना रहता है.

आधुनिक काल में संचार के साधनों के तीव्र विस्तार ने मानव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को गहराई से प्रभावित किया है, और इस परिवर्तनशील परिदृश्य में दूरदर्शन ने एक अत्यंत प्रभावशाली माध्यम के रूप में अपनी सुदृढ़ उपस्थिति दर्ज कराई है. प्रारम्भ में जहाँ दूरदर्शन का उपयोग मुख्यत: समाचार, शिक्षा और मनोरंजन के लिए किया जाता था, वहीं समय के साथ इसने समाज के सांस्कृतिक, धार्मिक और आध्यात्मिक आयामों को भी अपने कार्यक्रमों में समाहित कर लिया. इसी क्रम में ज्योतिष, जो भारतीय समाज में प्राचीन काल से ही विश्वास और व्यवहार का अभिन्न अंग रहा है, दूरदर्शन के माध्यम से एक नये रूप में प्रस्तुत हुआ और धीरे-धीरे 'ज्योतिषीय दूरदर्शन' एक विशिष्ट विधा के रूप में विकसित हो गया. यह विधा केवल भविष्यकथन तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने समाज के विश्वास-तंत्र, सांस्कृतिक संरचनाओं, मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं और आर्थिक प्रक्रियाओं को भी गहराई से प्रभावित किया.

यदि इस विधा के उद्भव की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का अध्ययन किया जाए तो यह स्पष्ट होता है कि ज्योतिष का जनसंचार माध्यमों में प्रवेश दूरदर्शन से पहले ही हो चुका था, जब आकाशवाणी के माध्यम से राशिफल और ज्योतिषीय विचारों का प्रसारण किया जाता था. किन्तु इन कार्यक्रमों में दृश्य प्रस्तुति का अभाव होने के कारण उनका प्रभाव सीमित था. दूरदर्शन के आगमन ने इस स्थिति को परिवर्तित कर दिया, क्योंकि इसमें दृश्य और श्रव्य दोनों का समन्वय संभव था, जिससे प्रस्तुति अधिक आकर्षक और प्रभावशाली बन गई. भारत में प्रारम्भिक काल में सरकारी प्रसारण माध्यमों के द्वारा धार्मिक कार्यक्रमों के साथ-साथ ज्योतिषीय विषयों का भी समावेश हुआ, किन्तु वास्तविक विस्तार तब हुआ जब आर्थिक उदारीकरण के पश्चात निजी प्रसारण संस्थानों की संख्या में वृद्धि हुई और प्रतिस्पर्धा का वातावरण उत्पन्न हुआ. इस प्रतिस्पर्धा ने ऐसे विषयों की खोज को प्रेरित किया जो कम व्यय में अधिक दर्शकों को आकर्षित कर सकें, और ज्योतिष इस दृष्टि से अत्यंत उपयुक्त सिद्ध हुआ, क्योंकि यह पहले से ही समाज के दैनिक जीवन में गहराई से निहित था.

समाजशास्त्रीय दृष्टि से ज्योतिषीय दूरदर्शन का उद्भव आधुनिक जीवन की अनिश्चितताओं से भी जुड़ा हुआ है. वर्तमान समय में आर्थिक अस्थिरता, रोजगार की अनिश्चितता, सामाजिक संरचनाओं में परिवर्तन और जीवन की जटिलताओं ने व्यक्ति के भीतर भविष्य के प्रति चिंता और असुरक्षा की भावना को जन्म दिया है. ऐसी परिस्थितियों में ज्योतिषीय कार्यक्रम व्यक्ति को एक प्रकार का मानसिक संतुलन और आश्वासन प्रदान करते हैं. ये कार्यक्रम न केवल भविष्य की संभावनाओं का संकेत देते हैं, बल्कि यह विश्वास भी उत्पन्न करते हैं कि जीवन की घटनाएँ किसी न किसी प्रकार के ब्रह्मांडीय नियमों के अधीन संचालित होती हैं और उनका पूर्वानुमान संभव है. इस प्रकार, ज्योतिषीय दूरदर्शन व्यक्ति की मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं, जैसे आशा, मार्गदर्शन और आत्मविश्वास की पूर्ति करता है.

भारतीय समाज में परम्परा और आधुनिकता का सहअस्तित्व भी इस विधा के विकास का एक महत्वपूर्ण कारण रहा है. एक ओर जहाँ वैज्ञानिक दृष्टिकोण और तकनीकी प्रगति ने जीवन को आधुनिक स्वरूप प्रदान किया है, वहीं दूसरी ओर पारम्परिक मान्यताएँ, धार्मिक आस्थाएँ और ज्योतिषीय विश्वास आज भी समाज में गहराई से स्थापित हैं. ज्योतिषीय दूरदर्शन ने इन दोनों के बीच एक सेतु का कार्य किया है, जिसमें प्राचीन ज्ञान को आधुनिक तकनीकी माध्यम के द्वारा व्यापक जनसमूह तक पहुँचाया गया. इस प्रक्रिया में ज्योतिष को एक नवीन स्वरूप प्राप्त हुआ, जिसमें पारम्परिक तत्वों के साथ आधुनिक प्रस्तुति शैली का समावेश हुआ और यह अधिक व्यापक तथा प्रभावशाली बन गया.

इस विधा की संरचना का विश्लेषण करने पर यह स्पष्ट होता है कि ज्योतिषीय कार्यक्रमों ने एक विशिष्ट प्रस्तुति शैली विकसित की है. इन कार्यक्रमों में ज्योतिषी केवल एक विद्वान के रूप में नहीं, बल्कि एक प्रभावशाली वक्ता और संचारक के रूप में उपस्थित होता है, जो अपनी भाषा, शैली और भावनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से दर्शकों के साथ एक आत्मीय संबंध स्थापित करता है. प्रत्यक्ष संवाद आधारित कार्यक्रमों ने इस संबंध को और अधिक सुदृढ़ किया, क्योंकि इनमें दर्शक अपनी व्यक्तिगत समस्याओं को प्रस्तुत कर तत्काल समाधान प्राप्त कर सकते थे. इस प्रकार, ज्योतिषीय दूरदर्शन ने व्यक्तिगत और सामूहिक दोनों स्तरों पर प्रभाव स्थापित किया. साथ ही, इन कार्यक्रमों में केवल भविष्यकथन ही नहीं, बल्कि विभिन्न प्रकार के उपायों पर भी बल दिया गया, जैसे पूजा-पाठ, दान, रत्न धारण आदि, जिससे यह विधा केवल सैद्धान्तिक न रहकर व्यवहारिक मार्गदर्शन का माध्यम बन गई.

आर्थिक दृष्टि से भी ज्योतिषीय दूरदर्शन का विकास अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है. इन कार्यक्रमों के माध्यम से विभिन्न प्रकार के उत्पादों, जैसे रत्न, यंत्र और धार्मिक सामग्री का प्रचार-प्रसार होने लगा, जिससे यह एक संगठित आर्थिक गतिविधि में परिवर्तित हो गया. इसके अतिरिक्त, ज्योतिषियों का व्यक्तित्व स्वयं एक पहचान और प्रभाव के रूप में स्थापित होने लगा, जिससे उनकी लोकप्रियता और सामाजिक प्रभाव में वृद्धि हुई. इस प्रकार, यह स्पष्ट होता है कि ज्योतिषीय दूरदर्शन केवल सांस्कृतिक या धार्मिक अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं रहा, बल्कि यह एक आर्थिक तंत्र का भी हिस्सा बन गया, जिसमें बाजार की शक्तियाँ और उपभोक्ता व्यवहार दोनों ही सक्रिय रूप से कार्य करते हैं.

वैश्विक स्तर पर भी इस प्रकार की प्रवृत्तियाँ देखने को मिलती हैं, जहाँ विभिन्न देशों में ज्योतिष, आध्यात्मिक परामर्श और रहस्यमय ज्ञान से संबंधित कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाता रहा है. तथापि भारतीय संदर्भ में इसकी विशेषता यह है कि यहाँ ज्योतिष केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों, जैसे विवाह, व्यवसाय और धार्मिक अनुष्ठानों से जुड़ा हुआ एक सांस्कृतिक और सामाजिक तंत्र है. यही कारण है कि ज्योतिषीय दूरदर्शन को समाज में व्यापक स्वीकृति प्राप्त हुई और यह एक सशक्त माध्यम के रूप में विकसित हुआ.

सीता नवमी पर बन रहा महासंयोग

वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाई जाने वाली सीता नवमी इस वर्ष 25 अप्रैल 2026 को श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई जाएगी. इस पावन दिन को माता सीता के प्राकट्य उत्सव के रूप में जाना जाता है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन व्रत और पूजा करने से जीवन में सुख-समृद्धि, वैवाहिक सौभाग्य और आर्थिक उन्नति का आशीर्वाद प्राप्त होता है.

इस बार सीता नवमी का महत्व और भी बढ़ गया है, क्योंकि इस दिन 'अबूझ मुहूर्त' और 'रवि योग' का विशेष संयोग बन रहा है. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, यह दुर्लभ योग किसी भी शुभ कार्य, साधना और पूजा के लिए अत्यंत फलदायी माना जाता है. ऐसा समय जिसमें किसी भी मांगलिक कार्य के लिए अलग से शुभ मुहूर्त देखने की आवश्यकता नहीं होती.

वहीं रवि योग को बाधाओं को दूर करने और तेजस्विता प्रदान करने वाला योग माना गया है.

माता सीता के जन्म की कथा-पौराणिक कथा के अनुसार, मिथिला में एक बार भयंकर अकाल पड़ा. तब राजा जनक ने ऋषियों के कहने पर यज्ञ भूमि तैयार करने के लिए स्वयं हल चलाया. उसी दौरान भूमि से एक स्वर्ण कलश निकला, जिसमें एक दिव्य कन्या थी. यही कन्या माता सीता थीं. उनके प्रकट होते ही वर्षा हुई और राज्य में समृद्धि लौट आई.

पूजा विधि- सीता नवमी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और घर के पूजा स्थल को गंगाजल से शुद्ध करें. इसके बाद एक साफ चौकी पर लाल या पीला वस्त्र बिछाकर भगवान राम और माता सीता की प्रतिमा स्थापित करें. माता सीता को सोलह श्रृंगार की सामग्री अर्पित करें, जिसमें सिंदूर, चूड़ी, बिंदी और वस्त्र शामिल हों. इसके बाद अक्षत, चंदन, धूप और दीप से विधिपूर्वक पूजन करें.

धार्मिक महत्व

धार्मिक मान्यता है कि माता सीता, देवी लक्ष्मी का ही अवतार हैं. इसलिए इस दिन उनकी पूजा करने से घर में धन-धान्य और समृद्धि का वास होता है. विशेष रूप से सुहागिन महिलाएं इस दिन व्रत रखकर अपने वैवाहिक जीवन की सुख-शांति और पति की लंबी आयु की कामना करती हैं .ऐसा भी कहा जाता है कि सीता नवमी पर विधिपूर्वक पूजा करने से दरिद्रता दूर होती है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है.

गंगा सप्तमी उपाय से चमकेगा भाग्य

वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि पर मनाई जाने वाली गंगा सप्तमी का सनातन धर्म में विशेष महत्व है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी दिन मां गंगा स्वर्ग से पृथ्वी पर अवतरित हुई थीं. इस कारण यह दिन अत्यंत पवित्र और शुभ माना जाता है. साल 2026 में गंगा सप्तमी का पर्व 23 अप्रैल को मनाया जाएगा. इस दिन पूजा-पाठ, दान और विशेष उपाय करने से जीवन में सुख-समृद्धि और बाधाओं से मुक्ति मिलने की मान्यता है.

ज्योतिष और धार्मिक परंपराओं के अनुसार, गंगा सप्तमी के दिन भगवान शिव और मां गंगा की पूजा करने से व्यक्ति के जीवन में आ रही परेशानियां दूर हो सकती हैं. खासतौर पर करियर और व्यापार में रुकावट झेल रहे लोगों के लिए यह दिन बेहद महत्वपूर्ण माना गया है. कहा जाता है कि यदि इस दिन विधि-विधान से शिवलिंग का अभिषेक किया जाए, तो नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होती है और सफलता के मार्ग खुलते हैं. धार्मिक मान्यता है कि मां गंगा भगवान शिव की जटाओं में विराजमान हैं. इसलिए गंगा सप्तमी पर गंगाजल से शिवलिंग का अभिषेक करना अत्यंत शुभ माना जाता है. यह उपाय व्यक्ति के जीवन से बाधाएं दूर करने और मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए किया जाता है.

शिवलिंग अभिषेक की सही विधि :- गंगा सप्तमी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें. इसके बाद सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित करें और पूजा स्थल की साफ-सफाई करें. एक पात्र में गंगाजल और शुद्ध जल मिलाकर शिवलिंग के पास जाएं और उत्तर दिशा की ओर मुख करके खड़े हों. अब जल को धीरे-धीरे शिवलिंग पर अर्पित करें और इस दौरान 'ऊं नम: शिवाय' मंत्र का जाप करते रहें. इसके बाद शिवलिंग पर सफेद चंदन का तिलक लगाएं और बेलपत्र अर्पित करें. पूजा के दौरान देसी घी का दीपक जलाएं और भगवान को फल, मिठाई आदि का भोग लगाएं. अंत में प्रसाद का वितरण करें.

घर में रखें ये चीजें बढ़ेगा धन

ज्योतिष और वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में रखी कुछ खास चीजें व्यक्ति की आर्थिक स्थिति पर गहरा प्रभाव डालती हैं. माना जाता है कि यदि सही वस्तुओं को सही स्थान पर रखा जाए, तो घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और धन-समृद्धि तेजी से बढ़ने लगती है. यही वजह है कि पुराने समय से ही घर में कुछ विशेष प्रतीकों और वस्तुओं को रखने की परंपरा चली आ रही है.

मान्यता है कि घर में तुलसी का पौधा रखना बेहद शुभ होता है. इसे धन और सुख-समृद्धि का प्रतीक माना जाता है. वहीं, शंख और मां लक्ष्मी की तस्वीर या मूर्ति को घर के पूजा स्थान पर रखने से आर्थिक तंगी दूर होने की मान्यता है. इसके अलावा, कुबेर यंत्र को भी धन वृद्धि के लिए प्रभावी माना जाता है, जिसे घर या तिजोरी में रखने से आय के नए स्रोत खुल सकते हैं. वास्तु शास्त्र के अनुसार, क्रिस्टल का कछुआ और मनी प्लांट भी घर में रखने से धन लाभ के संकेत मिलते हैं. खासतौर पर मनी प्लांट को उत्तर दिशा में रखना शुभ माना गया है, जो आर्थिक उन्नति को बढ़ावा देता है. इसके साथ ही घर में पानी से भरा कलश या छोटा फाउंटेन रखने से भी सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है. इन वस्तुओं के साथ-साथ घर की साफ-सफाई और सकारात्मक वातावरण भी बेहद जरूरी है.

अक्षय तृतीया पर बनेंगे 5 राजयोग

अक्षय तृतीया 2026 इस बार बेहद खास मानी जा रही है, क्योंकि इस शुभ दिन पर गजकेसरी योग समेत कुल 5 बड़े राजयोग बन रहे हैं. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, ये दुर्लभ संयोग कई राशियों के लिए किस्मत चमकाने वाले साबित हो सकते हैं. इस दिन किए गए शुभ कार्य, निवेश और पूजा का फल अक्षय यानी कभी न खत्म होने वाला माना जाता है.

पंचांग के अनुसार, अक्षय तृतीया वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाई जाती है. इस साल यह पर्व विशेष ज्योतिषीय प्रभावों के कारण और भी महत्वपूर्ण हो गया है. गजकेसरी योग के साथ अन्य शुभ योगों का बनना धन, सफलता और समृद्धि के संकेत देता है. ज्योतिष मान्यताओं के मुताबिक, इस दिन सोना खरीदना, नया व्यापार शुरू करना, संपत्ति में निवेश करना और पूजा-पाठ करना अत्यंत शुभ होता है. खासतौर पर कुछ राशियों के जातकों को इस दिन अचानक आर्थिक लाभ, करियर में उन्नति और नए अवसर मिल सकते हैं.

धार्मिक दृष्टि से भी अक्षय तृतीया का विशेष महत्व है. माना जाता है कि इस दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करने से घर में सुख-समृद्धि का वास होता है. इसके साथ ही दान-पुण्य करने से कई गुना फल प्राप्त होता है.

अक्षय तृतीया 2026 न सिर्फ धार्मिक बल्कि ज्योतिषीय दृष्टि से भी बेहद फलदायी मानी जा रही है, जो कई लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकती है.

दरवाजे पर करें ये उपाय, आएगी सुख-समृद्धि

वास्तु शास्त्र और ज्योतिष के अनुसार घर का मुख्य दरवाजा ऊर्जा का सबसे बड़ा प्रवेश द्वार माना जाता है. यही कारण है कि दरवाजे पर किए गए छोटे-छोटे उपाय भी जीवन पर बड़ा प्रभाव डाल सकते हैं. मान्यता है कि यदि मुख्य द्वार पर सही तरीके से कुछ खास उपाय किए जाएं, तो घर में सुख-समृद्धि, सकारात्मक ऊर्जा और धन का आगमन तेजी से बढ़ सकता है.

ज्योतिष मान्यताओं के मुताबिक, घर के प्रवेश द्वार को हमेशा साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखना बेहद जरूरी है. दरवाजे पर गंदगी या टूट-फूट नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करती है, जिससे घर में आर्थिक और मानसिक समस्याएं बढ़ सकती हैं.

वहीं, नियमित रूप से दरवाजे पर हल्दी या कुमकुम से शुभ चिन्ह बनाना, जैसे स्वस्तिक या ओम, सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाता है.

इसके अलावा, दरवाजे पर आम या अशोक के पत्तों का तोरण लगाना भी शुभ माना गया है. यह न केवल नकारात्मक शक्तियों को दूर करता है, बल्कि घर में खुशहाली और शांति बनाए रखने में मदद करता है. शाम के समय मुख्य द्वार पर दीपक जलाना भी एक प्रभावी उपाय माना जाता है, जिससे लक्ष्मी जी का आगमन होता है.

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इन सरल उपायों को नियमित रूप से अपनाने से घर का वातावरण सकारात्मक बना रहता है और जीवन में आ रही बाधाएं धीरे-धीरे समाप्त होने लगती हैं. हालांकि, ये सभी उपाय आस्था और मान्यताओं पर आधारित हैं, लेकिन इन्हें अपनाने से मन में विश्वास और सकारात्मक सोच का विकास जरूर होता है.

राशिफल

दिनांक- 19 से 25 अप्रैल 2026 तक

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास,
कोतवाली बाजार,
जबलपुर मो.नं.
098266-21998

साप्ताहिक ग्रहस्थिति- इस सप्ताह सूर्य मेष राशि में, मंगल मीन राशि में, बुध मीन राशि में, गुरू मिथुन राशि में, शुक्र मेष राशि में ता. 19 को 2/16 दिन से वृषभ राशि में, शनि मीन राशि में, राहु कुम्भ राशि में, केतु सिंह राशि में और चन्द्रमा मेष वृषभ मिथुन और कर्क राशि में संचरण करेगा.

ग्रहयोगों का प्रभाव :- ता. 19 को वृषे चन्द्र और शुक्र के प्रभाव से गेहूं, जौ, ज्वार, बाजरा, चना, गुड, खांड, शक्कर, सरसों, तिल, तेल, घी, मोती, चांदी, रूई, कपास में तेजी आएगी. ता. 22 को रेवत्यां बुध के प्रभाव से चांदी, गुड, खांड, घी, तेल, तिल, सरसों में मंदी आएगी, गेहूं, केसर, मजीठ, चन्दन, लाल मिर्च, कुसुम, सोना में तेजी आती है.

पर्व-व्रत-त्यौहार :

रविवार	19 अप्रैल को	भगवान परशुराम प्रकटोत्सव (प्रदोष व्यापिनी),
सोमवार	20 अप्रैल को	अक्षय तृतीया, विनायकी गणेश चतुर्थी व्रत,
गुरूवार	23 अप्रैल को	श्री गंगा सप्तमीं, श्रीगंगोत्पत्ति, चित्रगुप्त प्रकटोत्सव,
शुक्रवार	24अप्रैल को	मां बंगलामुखी प्रकटोत्सव,
शनिवार	25 अप्रैल को	श्री जानकी प्रकटोत्सव, सीता नवमीं,

मेष

इस सप्ताह आसपास का माहौल खुशनुमा पायेंगे, मेहमानवाजी में आनन्द महसूस करेंगे, आफिस में आपके खुले विचारों को कोई पसंद नहीं करेगा. अतीत से वर्तमान के साथ सामंजस्य बैठाने की कोशिश करेंगे, शेयर में धन निवेश से परहेज करें, व्यवसाय में सावधानी बरतें, आपसी संबंधों में अनदेखी न करें, संतान की उन्नति होगी, गुमी वस्तु मिलने का योग है.

वृषभ

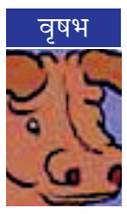

इस सप्ताह आप अपने लक्ष्य को हासिल करने में सफल रहेंगे, घर के सदस्यों के स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ेगा, आस पड़ोस या रिश्तेदारों के साथ संबंध सुधरेंगे, सप्ताह में व्यवसाय व्यापार में विस्तार की संभावना बरती हैं, मेल मुलाकात उपयोगी रहेगी, अधिनस्थों का सहयोग रहेगा. माता पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें.

मिथुन

इस सप्ताह कार्यक्षेत्र में आपको प्रतिभा दिखाने का बेहतर अवसर मिलेगा, आपको उत्तराधिकार का अवसर मिल सकता है, अपनी उदारता पर अंकुश रखा तो राहत मिलेगी, कार्यक्षेत्र प्रभावित होगा, छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी, सप्ताह में किसी रिश्तेदार से सुखद समाचार मिलेगा, कामकाजी महिलाओं को परेशानी होगी.

कर्क

इस सप्ताह परिस्थिति के अनुकूल विनम्रता अच्छी सफलता दिला सकती है, बहसबाजी और मुंह पर बोलने की आदत पर रोक लगायें, कार्य और व्यापार को सिर्फ धन कमाने का साधन ही नहींसमझें, बल्कि वह प्रतिष्ठा का आधार भी मानें, सामाजिक जिम्मेदारी अच्छे से निभायेंगे, परिश्रम अधिक करना होगा, कार्यक्षेत्र में प्रभावशाली सिद्ध होंगे.

सिंह

इस सप्ताह आपको कठिन प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा, निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के लिये अधिकारी दबाव बना सकते हैं, पद प्रतिष्ठा प्राप्ति का योग है, पारिवारिक जीवन में प्रेम आनन्द की अनुभूति मिलेगी, सप्ताह के मध्य विपरीत परिस्थिति से डटकर मुकाबला करना होगा, आप सही और गलत के बीच उलझ सकते हैं, जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें.

कन्या

इस सप्ताह पहले से चले आ रहे कार्य जारी रहेंगे, नये कार्यों में हाथ न डालें, लंबे समय से जिस सफलता की उम्मीद कर रहे हैं, वह मिलेगी, कार्यक्षेत्र में आपको विरोधियों का सामना करना होगा, जोड़ों का दर्द, बुखार आदि से परेशानी हो सकती है, पारिवारिक कार्यो में सफलता मिलेगी, भावनात्मक संबंधों में निकटता आयेगी, प्रापर्टी से अच्छा लाभ मिलेगा.

तुला

इस सप्ताह कुछ अच्छे दोस्त बन सकते हैं, जो आपकी मदद कर सकते हैं, घरेलू कार्यो को जिम्मेदारी से करें, टालमटोल की प्रवृत्ति का परिणाम हानिप्रद हो सकता है, घरेलू माहौल खुशनुमा रहेगा, सप्ताह के मध्य बढ़ते हुये खर्च सामने आयेंगे, व्यापार की कार्य योजना का विस्तार होगा, अधिक जल्दबाजी से निर्णय न करना हितकर रहेगा, सत्संग में रूचि रहेगी.

वृश्चिक

इस सप्ताह यदि अस्वस्थ्य हैं, और कमजोरी है, तो स्वास्थ्य में सुधार होगा, नये पार्टनरशिप के साथ कार्य के लिये समय अनुकूल है, अपने कार्य की क्षमता को पहचानकर कार्य करें, घरेलू मामलों के लिये सप्ताह अच्छा है, सप्ताह के उत्तरार्ध में भाग्य साथ देगा, लक्ष्य की प्राप्ति के लिये आपको अत्याधिक खर्च और परिश्रम करना पडेगा, अनुभवों का लाभ होगा.

धनु

इस सप्ताह आपके अधिकारी व शुभचिन्तक धन कमाने में आपकी सहायता करेंगे, व्यापार से जड़े लोग बेहतर प्रदर्शन करें, सफलता मिलेगी, घरेलू आयोजन आनन्दमय रहेगा, आप अपने से जुड़े लोगों के साथ संवाद बनाये रखें, सकारात्मक दृष्टिकोण आपको सफलता दिलायेगा, कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी, आमदानी में वृद्धि होगी, जीवनसाथी की अपेक्षाएं बढ़ेगी.

मकर

इस सप्ताह अकेले काम का बोझ उठा लेने से आपको नुकसान हो सकता है, अपने सहकर्मियों या अधिनस्थों केकारण कुछ परेशानी हो सकती है, नये कारोबार की शुरूआत ठीक रहेगी,पुमीन गलती को भूलकर आगे बढ़े, जीवन आसान हो जायेगा, कार्यक्षेत्र में आप मुश्किलों का डटकर सामना करें, सप्ताह में आपको अपने प्रयासों में अच्छी सफलता मिलेगी.

कुम्भ

इस सप्ताह सभी लोग आपसे प्रसन्न रहेंगे, अपने घर में आप निर्माण संबंधी कोई सुधार कर सकते हैं, पुराना घर बेचकर नया घर खरीद सकते हैं, अविवाहितों को मनचाहा जीवनसाथी मिल सकता है, धार्मिक यात्रा होगी, छात्रों को कई मुश्किलों का सामना हो सकता है, व्यवसायिक वर्ग को नये अनुबंधों में शामिल होने के पहले विचार अवश्य करना चाहिये.

मीन

इस सप्ताह प्रापर्टी के बारोबार में अच्छा लाभ मिलेगा, व्यापारी आयात निर्यात के बारोबार की शुरूआत कर सकते हैं, अपने व्यवहार और आत्म विश्वास का प्रयोग कार्यक्षेत्र मेंकरेंगे, आप अतिरिक्त जिम्मेदारी को आसानी से निभा सकते हैं, सप्ताह के शुरूआत में आप भ्रमण की स्थिति मेंरहेंगे, परन्तु धीरे धीरे आप नये आयामों की ओर बढ़ेंगे, वित्तीय स्थिति से संतुष्ट रहेंगे.